RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 16 NOVEMBER TO 22 NOVEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 10 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

बरौनी रिफाइनरी से शुरू हुआ हवाई जहाज के ईंधन का उत्पादन Page 2

महिंद्रा ने पीथमपुर में पहले डेडिकेटेड फार्म मशीनरी प्लांट का उद्घाटन किया Page 3

ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स की बढ़ेगी पेंशन सरकार ने दिया बयान Page 4

editoria!

बढ़ती अर्थव्यवस्था

वैश्विक आर्थिकी और भू-राजनीतिक हलचलों के बीच यह उत्साहजनक बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था आगामी एक-डेढ़ दशकों में तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जायेगी. यह आकलन अनेक वाणिज्यिक संस्थाएं प्रस्तुत कर चुकी हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा है कि देश ने बीते तीन दशकों में जो आर्थिक उपलब्धियां हासिल की है, उतना हम अगले कुछ वर्षों में प्राप्त कर सकेंगे. उन्होंने चुनौतियों का भी उल्लेख किया है कि दो-तीन साल से दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है, तो दूसरी ओर युद्ध की स्थितियां भी हैं. इनका असर निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है. पर, जैसा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेखांकित किया है, इन परिस्थितियों के बावजूद भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रहे देशों में एक है. बीते कुछ वर्षों में जो बड़े आर्थिक सुधार हुए हैं तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण हिस्सेदार बनाने के लिए जो प्रयास हो रहे हैं, उनके अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं. हालांकि इस साल देश के कई हिस्सों में मानसून अनिश्चित रहा, पर दक्षिण-पश्चिमी मानसून सामान्य से बेहतर रहने से कृषि को सहारा मिला है. सरकार ने सार्वजनिक खर्च को लगातार बढ़ाया है. हमारे देश का निजी क्षेत्र और बैंक सुदृढ़ हैं. कोरोना महामारी पर नियंत्रण के साथ ही उपभोक्ताओं और कारोबारियों में उत्साह बढ़ा है. आर्थिक सुधारों तथा नीतिगत पहलों से जहां घरेलू उद्योगों एवं उद्यमों में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं विदेशी निवेश को आकर्षित करने में भी सफलता मिल रही है. हाल में जारी सितंबर के आंकड़े बताते हैं कि औद्योगिक उत्पादन अगस्त के मुकाबले 3.1 प्रतिशत बढ़ा है. स्वतंत्र विदेश और वाणिज्य नीति के कारण भारत में दुनिया का भरोसा भी लगातार बढ़ रहा है. वैश्विक निवेश बैंक मॉर्गन स्टैनली ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा. यदि पिछले पांच साल की औसत वृद्धि दर के हिसाब से देखें, तो भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक है. यह औसत वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत रही है. इस दशक के अंत तक भारतीय शेयर बाजार भी शीर्ष के तीन बाजारों में शामिल हो सकता है. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जतायी है कि अगले 25 वर्षों में भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का आह्वान किया है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के सौवें वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है.

अब हर साल 3 हजार भारतीय विद्यार्थियों को मिलेगा यूके का वीजा

जी 20 समिट में मुलाकात का असर

बाली। एजेंसी

भारत भले ही जी20 की अध्यक्षता अगले साल करेगा लेकिन अभी से इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलने लगा है। दरअसल, पीएम मोदी 17वें जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इंडोनेशिया की यात्रा पर है। जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के साथ-साथ द्विपक्षीय वार्ता भी चर्चा में रही। इसी क्रम में पीएम मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से भी मुलाकात की। बाली में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ब्रिटेन ने यूके-भारत प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत अब हर साल तीन हजार भारतीय विद्यार्थियों को यूके का वीजा देने का फैसला किया है।

यूके-भारत प्रोफेशनल्स स्कीम की हुई पुष्टि

भारतीय विद्यार्थियों और युवाओं के मद्देनजर लिया गया यह बड़ा फैसला दोनों देशों के हितों को आगे बढ़ाने का काम करेगा। इसके साथ ही यूके-भारत प्रोफेशनल्स स्कीम लागू होने की पुष्टि गई है। 18-30 साल तक के भारतीय डिग्री धारक युवाओं को यूके में आने और दो साल तक काम करने के लिए तीन हजार वीजा की पेशकश की गई है। भारतीय विद्यार्थियों को यूके में पढ़ने और युवाओं को काम करने के लिए हर साल तीन हजार वीजा देने का ऐलान किया है।

उल्लेखनीय है कि सुनक सरकार ने ये फैसला बाली में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद लिया है। पीएम मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया के बाली में हैं। मंगलवार को ऋषि सुनक ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। भारतीय मूल के सुनक की ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद ये पीएम मोदी से पहली मुलाकात थी। इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने पर पीएम मोदी ने ऋषि सुनक को फोन करके बधाई संदेश दिया था

भारत के साथ योजना का हुआ शुभारंभ

यूके के प्रधानमंत्री के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल के मुताबिक भारत के साथ इस योजना का शुभारंभ हुआ है। यह योजना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम है, साथ ही भारत-प्रशांत क्षेत्र के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए यूके की व्यापक प्रतिबद्धता दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में किसी अन्य देश के मुकाबले यूके का भारत से ज्यादा संबंध है। यूके में सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से लगभग एक चौथाई भारत से हैं। यूके में भारतीय निवेश यहां 95,000 नौकरियों का समर्थन करता है।

2023 में भारत करेगा मेजबानी

भारत औपचारिक रूप से इस वर्ष 1 दिसम्बर से जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा। यह कार्यकाल अगले वर्ष सितम्बर तक रहेगा। सम्मेलन के अंतिम सत्र में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रतीकात्मक रूप से जी-20 की अध्यक्षता का भार पीएम मोदी को सौंपेंगे। उन्होंने बताया कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत-इंडोनेशिया-ब्राजील की एक तिकड़ी बनेगी। जी-20 में यह पहली बार होगा कि तीन विकासशील देशों और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का एक गुट बनेगा।

क्या है जी 20 ग्रुप?

जी20 ग्रुप का गठन 1999 के दशक के अंत के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया था। इसका उद्देश्य मध्यम आय वाले देशों को शामिल कर वैश्विक स्थिरता को सुरक्षित करना है। जी-20 देशों में दुनिया की 60% आबादी, वैश्विक जीडीपी का 80% और वैश्विक व्यापार का 75% शामिल है। जी20 ग्रुप में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। जी20 सम्मेलन में स्पेन को स्थायी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

कच्चा तेल 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में मामूली गिरावट के साथ ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। मुंबई में पेट्रोल का भाव 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल की कीमत 92.76 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल मामूली बढ़त के साथ 94 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। आज ब्रेंट क्रूड 0.28 फीसदी यानी 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 93.60 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.38 फीसदी यानी 0.33 डॉलर लुढ़कर 86.59 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है।

बरौनी रिफाइनरी से शुरू हुआ हवाई जहाज के ईंधन का उत्पादन, पटना, दरभंगा और नेपाल के हवाई अड्डों को होगी आपूर्ति

बेगूसराय। एजेंसी

बरौनी रिफाइनरी में स्वदेशी तकनीक पर आधारित एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) का उत्पादन शुक्रवार से शुरू हो गया है। प्रति घंटे इसकी उत्पादन क्षमता 50 टन है। इसका इंडियन आयल के अध्यक्ष एसएम वैद्य ने इसका आनलाइन शुभारंभ किया। इस दौरान निदेशक (आरएंडडी) डा. एसएसवी रामकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) रंजन कुमार महापात्र, निदेशक (विपणन) वी सतीश कुमार, निदेशक (रिफाइनरीज) शुक्ला मिस्त्री भी आनलाइन मौजूद थे।

स्वदेशी तकनीक पर आधारित है यूनिट

बरौनी रिफाइनरी के इंडजेट यूनिट से बरौनी मार्केटिंग टर्मिनल तक एटीएफ (जेट ए-1) फ्यूल के पहले बैच के डिस्पैच का आनलाइन शुभारंभ होते ही बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक सह रिफाइनरी प्रमुख आरके झा ने टीम बरौनी रिफाइनरी, बरौनी मार्केटिंग टर्मिनल, बरौनी कानपुर पाइपलाइन, बीटीएमयू एवं आइओओए के पदाधिकारियों की उपस्थिति में एटीएफ टैंक 241 के वाल्व को खोलकर मार्केटिंग टर्मिनल को डिस्पैच किया। यह यूनिट स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। इसका अनुसंधान इंडियन आयल, आरएंडडी सेंटर एवं मेसर्स ईआइएल ने मिलकर किया है। यह तकनीक कम तापमान और निम्न दबाव हाइड्रो-उपचार प्रक्रिया है जो चुनिंदा रूप से केरो फीड स्ट्रीम से मर्कैप्टन को हटाती है।

नेपाल की जरूरत भी होगी पूरी

एटीएफ के अलावा, इंडजेट यूनिट को पाइपलाइन कंपेटिबल केरोसिन (पीसीके) के उत्पादन के लिए भी डिजाइन किया गया है, जिसमें सल्फर की आवश्यकता होती है। इंडजेट यूनिट को जून 2022 में कमीशन किया गया था। इसके पश्चात एटीएफ का सर्टिफिकेशन सितंबर 2022 में मिला था। डिफेंस ग्रेड एटीएफ की आपूर्ति करने के लिए, सीईएमआइएलएसी (सैन्य उड़ान योग्यता और प्रमाणन केंद्र) एवं डीजीएक्यूए (वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय) की वैधानिक स्वीकृति अक्टूबर 2022 और नवंबर 2022 में प्राप्त हुई। बरौनी रिफाइनरी से उत्पादित एटीएफ पटना, दरभंगा, गया और नेपाल के हवाई अड्डों को ईंधन प्रदान करेगा। इस अवसर पर टीम बरौनी रिफाइनरी की सराहना करते हुए एसएम वैद्य ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है। मुझे खुशी है कि इंडियन आयल की बरौनी रिफाइनरी बिहार के साथ-साथ नेपाल के हवाई ईंधन की जरूरतों को पूरा करेगी। ये मेक इन इंडिया पहल के साथ प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

आईओसी पीईटी बोतलों का पुनर्चक्रण कर बनाएगी पर्यावरण-अनुकूल वर्दी

नयी दिल्ली। एजेंसी

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) हर साल दो करोड़ बेकार मिनरल वाटर, कोल्ड ड्रिंक और अन्य पीईटी बोतलों का पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) कर उनसे पेट्रोल पंप एवं एलपीजी एजेंसी पर तैनात अपने कर्मचारियों के लिए पर्यावरण-अनुकूल वर्दी बनाएगी। आईओसी के चेयरमैन एस एम वैद्य ने 'अनबॉटल्ड- टुवार्ड्स ए ग्रीनर फ्यूचर' समारोह में कंपनी के लगभग तीन लाख ईंधन स्टेशन परिचारकों और एलपीजी गैस वितरण कर्मियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई एक विशेष 'टिकाऊ और हरित' वर्दी पेश की। वैद्य ने कहा कि आईओसी देश में ईंधन की लगभग आधी जरूरतों को पूरा करती है। कंपनी पहले ही वर्ष 2046 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है और अब पीईटी बोतलों को रिसाइकिल करने की तैयारी कर रही है। इस्तेमाल के बाद फेंकी गई खाली पीईटी पैकेजिंग बोतल बेकार हो जाती है। आईओसी ऐसी बोतलों को इकट्ठा करने के लिए एक एजेंसी नियुक्त करेगी और उन्हें प्रंस्सकृत कर धागे में बदला जाएगा ताकि बुनाई कर पर्यावरण-अनुकूल वर्दी बनाई जा सके। उन्होंने कहा, 'हमारे पेट्रोल स्टेशनों पर हर दिन करीब 3.1 करोड़ लोग आते हैं। हम प्रतिदिन 27 लाख एलपीजी सिलेंडर वितरित करते हैं और प्रतिदिन 3,500 विमानों में ईंधन भरते हैं। हमारे तेल टैंकर प्रतिदिन 15 लाख किलोमीटर का सफर तय करते हैं। हम हर जगह हैं।'

ट्रेडमार्क एजेंटों के चयन के लिए परीक्षा मई 2023 में होगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय बौद्धिक संपदा कार्यालय सीजीपीडीटीएम ने ट्रेडमार्क एजेंटों के चयन के लिए परीक्षा आयोजित करने की योजना की घोषणा की है। यह परीक्षा दस साल के अंतराल के बाद अगले साल सात मई को होगी। पेटेंट, डिजाइन और ट्रेड मार्क महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) ने कहा कि जो उम्मीदवार ट्रेडमार्क और पेटेंट एजेंट परीक्षा 2023 में शामिल होना चाहते हैं, वे नियमानुसार अपनी योग्यता की जांच कर सकते हैं।

उम्मीद है कि परीक्षा के लिए उम्मीदवारों का ऑनलाइन पंजीकरण जनवरी 2023 में शुरू होगा। एक बयान में कहा गया, ''पेटेंट, डिजाइन और ट्रेड मार्क महानियंत्रक का कार्यालय घोषणा करता है कि ट्रेडमार्क एजेंट परीक्षा 2023 और पेटेंट एजेंट परीक्षा 2023 का आयोजन सात मई 2023 को किया जा सकता है।''

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने को केंद्र तैयार : हरदीप सिंह पुरी

श्रीनगर। एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलिय व प्राकृतिक गैस और आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसकी तैयारी पूरी कर ली है। पुरी ने कहा कि कुछ राज्य इस मामले में केंद्र सरकार के साथ शायद ही सहमत हों, वह इसका जरूर विरोध करेंगे। जब तक राज्य सरकारें राजी नहीं होंगी, केंद्र कुछ नहीं कर पाएगा। अगर राज्य सरकार इस दिशा में पहलकदमी करती हैं तो हम तैयार हैं केंद्र सरकार के जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत हरदीप पुरी श्रीनगर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल और शराब ही विभिन्न राज्यों के लिए आय का बड़ा साधन हैं। इसलिए जिन्हें कमाई हो रही है, वह क्यों इसे छोड़ेंगे। सिर्फ केंद्र सरकार ही महंगाई व अन्य मुद्दों पर चिंतित है। केरल उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे पर जीएसटी परिषद के चर्चा का सुझाव दिया था। इसलिए मेरे या आपके चाहने से कुछ नहीं होगा, राज्यों का सहमत होना जरूरी है। हम एक सहकारी संघीय व्यवस्था में रहते हैं।

तेल की कीमतों पर अमेरिका-कनाडा से तुलना

पेट्रोल व रसोई गैस की कीमत के जवाब में हरदीप पुरी ने कहा कि अमेरिका और कनाडा में जुलाई 2021 से अगस्त 2022 तक पेट्रोल की कीमतों में 43 से 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। केवल भारत ही ऐसा देश है, जहां इस अवधि में मात्र दो प्रतिशत की बढ़ोतरी पेट्रोल में हुई है। पूरी दुनिया में ईंधन की कमी के कारण कीमत आसमान छू रही हैं, भारत में किसी भी जगह ईंधन की कमी नहीं हुई।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.994 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आर्थिक मोर्चे पर सरकार को झटका लगने वाली खबर आई है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट दर्ज हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार 4 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.99 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी।

आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की वजह स्वर्ण भंडार में आई कमी है। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार 4 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.99 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, 28 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 6.56 अरब डॉलर बढ़कर 531.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जो एक साल के दौरान किसी एक सप्ताह में सबसे अधिक तेजी थी।

आंकड़ों के मुताबिक चार नवंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) भी 12 करोड़ डॉलर घटकर 470.73 अरब डॉलर रह गई है। इसी तरह देश का स्वर्ण भंडार का मूल्य 70.5 करोड़ डॉलर घटकर 37.057 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 23.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.39 अरब डॉलर रह गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 2.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार बढ़कर 645 अरब डॉलर के अबतक के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। जानकारों का कहना है कि देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने की मुख्य कारण वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये की गिरावट को थामने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का मुद्रा भंडार से मदद लेना रहा है।

महिंद्रा ने पीथमपुर में पहले डेडिकेटेड फार्म मशीनरी प्लांट का उद्घाटन किया

'मेड इन इंडिया' फार्म मशीनरी उत्पादों के जरिए अगले 5 वर्षों में अपने फार्म मशीनरी बिजनेस (ट्रैक्टर को छोड़कर) को 10 गुना बढ़ाने की महिंद्रा की दमदार योजना का हिस्सा
नया प्लांट मध्य प्रदेश में फार्म मशीनरी के लिए सबसे बड़े केंद्र का निर्माण करेगा
माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य संबोधन दिया, इस अवसर पर प्रदेश के महत्वपूर्ण अधिकारीगण और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

महिंद्रा समूह की सहायक कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस) ने मध्य प्रदेश के पीथमपुर में अपने पहले डेडिकेटेड फार्म मशीनरी प्लांट (नॉन-ट्रैक्टर) का आज औपचारिक उद्घाटन किया। माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा नए संयंत्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्य के प्रमुख अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के वरिष्ठ लीडर्स उपस्थित रहे। महिंद्रा का नया फार्म मशीनरी प्लांट महत्वपूर्ण रूप से औद्योगिक शहर पीथमपुर में स्थित है, जिसकी पहुंच विविध आपूर्तिकर्ता आधार तक है, जो कंपनी को टिकाऊ, उच्च-गुणवत्ता युक्त, किफायती और सुलभ 'मेड इन इंडिया, फॉर इंडिया' फार्म मशीनरी का निर्माण करने में सक्षम बनाता है, जिसका विपणन महिंद्रा और स्वराज दोनों ही ब्रांड्स के लिए किया जा सकता है। यह प्लांट एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका के वैश्विक बाजारों में निर्यात के लिए उत्पादों का निर्माण भी करेगा।

अपने सुनियोजित लेआउट के साथ, यह नया प्लांट फिनलैंड, जापान और तुर्की में महिंद्रा के ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में डिजाइन किए गए नए उत्पादों की श्रृंखला को रोल-आउट करने में सक्षम है। यह संयंत्र 23 एकड़ में फैला है और इसमें प्रति वर्ष 1,200 कंबाइन हार्वेस्टर एवं 3,300 राइस ट्रांसप्लांटर्स का निर्माण करने की क्षमता है। अपने समर्पित आपूर्तिकर्ता पार्क के साथ, पीथमपुर संयंत्र द्वारा अंततः 1,100 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किए जाने की उम्मीद है। नए फार्म मशीनरी संयंत्र के शुभारंभ समारोह के दौरान बोलते हुए, माननीय केंद्रीय कृषि और ग्रामीण कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, 'मध्य प्रदेश में, महिंद्रा समूह द्वारा फार्म मशीनरी के लिए इस अनूठे संयंत्र के शुभारंभ के अवसर पर यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। महिंद्रा द्वारा राज्य में सबसे उल्लेखनीय निवेशों में से एक किया गया है जिससे इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किए जा सके हैं। आज, यह समूह पीथमपुर में 'मेड इन इंडिया' कृषि मशीनरी के निर्माण के लिए अपनी नई ग्रीनफील्ड सुविधा के शुभारंभ के साथ अपने निवेश को और बढ़ा रहा है। यह न केवल महिंद्रा समूह के लिए, बल्कि देश और हमारे किसानों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'

उन्होंने आगे कहा, 'विश्व स्तर पर, मशीनीकरण उच्च कृषि विकास और उच्च खाद्य सुरक्षा के प्रमुख घटकों में से एक रहा है। इस संबंध में किए गए कई अध्ययनों से बढ़े हुए पैदावार और कृषि मशीनीकरण के बीच सीधे संबंध का पता चला है। 2030 तक भारत में कृषि मशीनीकरण को दोगुना करने की महत्वाकांक्षा के साथ, सरकार भारत ने भारतीय कृषि के अधिक से अधिक मशीनीकरण का समर्थन करने के लिए कई योजनाएं और नीतियां पेश की हैं और कृषि मशीनीकरण में आत्मनिर्भरता लाना उनमें से एक है।' महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के प्रेसिडेंट, हेमंत सिक्का ने कहा, 'महिंद्रा कई दशकों से भारत के ट्रैक्टराइजेशन में अग्रणी रही है और अब कृषि के मशीनीकरण में अग्रणी बनने के लिए दृढ़संकल्पित है। हमारा लक्ष्य अपने कृषि मशीनरी व्यवसाय को 5 वर्षों में 10 गुना बढ़ाना है और पीथमपुर में नया कृषि मशीनरी संयंत्र इस रणनीति के क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।'

महिंद्रा द्वारा फार्म मेकेनाइजेशन को प्रोत्साहन

50 से अधिक देशों में उपस्थिति के साथ, महिंद्रा की भारत की कृषि भूमि को यंत्रीकृत करने में बड़ी भूमिका है और इसका उद्देश्य भारत एवं दुनिया भर में किसानों के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समृद्धि प्रदान करना है ताकि उन्हें आगे बढ़ने में सक्षम बनाया जा सके। 'ट्रांसफॉर्म फार्मिंग, एनरिच लाइव्स' के अपने उद्देश्य से प्रेरित और वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता के रूप में, महिंद्रा का फार्म इक्विपमेंट सेक्टर कृषि क्षेत्र की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए कृषि मशीनरी उत्पादों और समाधानों की पूरी श्रृंखला के साथ लगातार काम कर रहा है। (ट्रैक्टर से परे) दुनिया भर के बाजारों से इनपुट और सीख के साथ, पिछले दशक में अधिग्रहण के माध्यम से तीन वैश्विक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र महिंद्रा को दुनिया भर में बड़ी जोत वाले खेतों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियों को भारत के छोटी जोत वाले किसानों के लिए सस्ती एवं सुलभ बनाने में भारतीय बाजार के लिए प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों को अनुकूलित करने में सक्षम बनाते हैं।

वैश्विक सेंटर ऑफ एक्सेलेंस (सीओई)

जापान - सीओआई फॉर लाइटवेट ट्रैक्टर्स एंड राइस मशीनरी वैल्यू चेन

फिनलैंड – सीओई फॉर हार्वेस्टर एंड फॉरेस्ट मशीनरी

तुर्की – सीओई फॉर फार्म इम्प्लिमेंट्स

भारत अगले 10-15 साल में शीर्ष तीन आर्थिक शक्तियों में शामिल होगा: सीतारमण

नयी दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से विकास करती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसके अगले 10-15 साल में विश्व की शीर्ष तीन आर्थिक शक्तियों में शामिल होने की उम्मीद है। सीतारमण ने यहां 'भारत-अमेरिका कारोबार एवं निवेश अवसर' समारोह में कहा कि वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है और भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम के प्रभाव से अछूती नहीं है।

उन्होंने कहा कि लेकिन भारत दक्षिण-पश्चिमी मानसून में सामान्य से अधिक बारिश, सार्वजनिक निवेश, मजबूत कॉरपोरेट बैलेंस शीट, उपभोक्ताओं एवं कारोबारों के भरोसे और कोविड महामारी के घटते खतरे की मदद से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने में सफल रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया की सर्वाधिक तेजी से विकास करती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है। यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर हाल में ब्रिटेन से आगे निकल गया और इसके अगले 10-15 साल में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन आर्थिक शक्तियों में शामिल होने की उम्मीद है।''

सयाजी होटल ग्रुप ने प्रतिष्ठित इंडियन हॉस्पिटैलिटी लीडर ऑफ द ईयर अवार्ड जीता

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर रऊफ धनानी को द इंडियन हॉस्पिटैलिटी एक्सीलेंस अवार्ड्स 2022 के इंडियन हॉस्पिटैलिटी लीडर ऑफ द ईयर के खिताब से सम्मानित किया गया। अपने कौशल, रचनात्मकता, सरलता और सफलता के लिए पहचाने जाने वाले संगठनों को हॉस्पिटैलिटी एक्सीलेंस अवार्ड्स प्रदान किए जाते हैं जो होटल उद्योग के समर्पित व्यवसायियों की पेशेवर उत्कृष्टता और उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं। अवार्ड के बारे में श्री रऊफ धनानी ने बताया कि 'हम अपने मेहमानों को बेहतरीन सुविधाएँ प्रदान करना चाहते हैं जिससे हमें अपना बेहतर योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। इस अवार्ड से सम्मानित करने के मौके पर, मैं अपनी टीम, हॉजपिटैलिटी ग्रुप और माननीय निर्णायक मंडल को धन्यवाद देता हूँ।' 'सयाजी होटल्स' भारत का प्रमुख अपस्केल लाइफस्टाइल हॉस्पिटैलिटी ब्रांड है, जो 4-स्टार और 5-स्टार होटल श्रेणी में अपने ग्राहकों की मांग को पूरा करने से जुड़े अनुभवों, अपनी खास मेहमाननवाजी और खुशहाली के नए मानकों के लिए प्रसिद्ध है। सयाजी के प्रत्येक होटल में दावत देने के साथ ही खानपान की कई सुविधाएँ और शानदार कमरे उपलब्ध हैं।

News यू केन USE

श्रम मंत्री ने ईएसआईसी के जरिये मातृत्व लाभ का दावा करने की सुविधा शुरू की

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक नयी सुविधा की शुरुआत की है, जिसके जरिये कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की महिला सदस्य ऑनलाइन मातृत्व लाभ का दावा कर सकती हैं। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा, ''केंद्रीय श्रम तथा रोजगार और पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में दत्तोपंत ठेंगड़ी की 102वीं जयंती के अवसर पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ऑनलाइन मातृत्व लाभ दावा सुविधा की शुरुआत की।'' इस मौके पर यादव ने कहा कि बीमित महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के लिए ईएसआईसी द्वारा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने की पहल सराहनीय है।

देश का औद्योगिक उत्पादन सितंबर महीने में 3.1 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का औद्योगिक उत्पादन पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.1 फीसदी बढ़ा है। हालांकि, पिछले महीने अगस्त में औद्योगिक उत्पादन 0.07 फीसदी घट गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर महीने में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 1.8 फीसदी, खनन का उत्पादन 4.6 फीसदी और बिजली का उत्पादन 11.6 फीसदी बढ़ा। इसी तरह सितंबर महीने में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 10.3 फीसदी बढ़ा, जबकि टिकाऊ उपभोक्ता सामान के क्षेत्र में यह वृद्धि बढ़कर 4.5 फीसदी पर पहुंच गई। इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन 9.3 फीसदी बढ़ा। दरअसल आईआईपी में इस खंड की हिस्सेदारी 34 फीसदी है।

सोया खली का निर्यात अक्टूबर में दोगुना से ज्यादा होकर 50,000 टन पर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय सोया खली की कीमतों में गिरावट के चलते अक्टूबर के दौरान इसका निर्यात दोगुना से ज्यादा होकर 50,000 टन पर पहुंच गया। पिछले साल अक्टूबर में देश से 22,000 टन सोया खली का निर्यात गया था। प्रसंस्करणकर्ताओं के इंदौर स्थित संगठन सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोपा के कार्यकारी निदेशक डी एन पाठक ने बताया,''अक्टूबर में भारतीय सोया खली के दाम में कमी के कारण इसकी अंतरराष्ट्रीय मांग में इजाफा दर्ज किया गया था। हालांकि, नवंबर में भारतीय सोया खली की कीमतें फिर बढ़ गई हैं।'' गौरतलब है कि सोया खली के अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत को अमेरिका, ब्राजील और अर्जेंटीना सरीखे शीर्ष निर्यातकों से कड़ी मूल्य प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। प्रसंस्करण कारखानों में सोयाबीन का तेल निकालने के बाद बचे उत्पाद को सोया खली कहते हैं। यह उत्पाद प्रोटीन का बड़ा स्रोत है। इससे सोया आटा और सोया बड़ी जैसे खाद्य पदार्थों के साथ पशु आहार तथा मुर्गियों का दाना भी तैयार किया जाता है।

ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स की बढ़ेगी पेंशन सरकार ने दिया बयान

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सब्सक्राइबर्स की पेंशन बढ़ाने के प्रस्ताव को सरकार ने नामंजूर कर दिया है। इसके बाद पेंशन मौजूदा 1,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाने के श्रम मंत्रालय के प्रस्ताव को ठुकराने के लिए एक संसदीय समिति वित्त मंत्रालय से स्पष्टीकरण मांगेगी। हालांकि, श्रम मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित वृद्धि की राशि की जानकारी नहीं है।

जानकारी के अनुसार, श्रम मंत्रालय और ईपीएफओ के शीर्ष अधिकारियों ने गुरुवार को बीजद सांसद भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता में श्रम संबंधी संसदीय स्थायी समिति को ईपीएफ पेंशन योजना के संचालन और इसके कोष के प्रबंधन के बारे में बताया। अधिकारियों ने समिति को जानकारी दी कि वित्त मंत्रालय मासिक पेंशन में किसी भी वृद्धि के लिए श्रम मंत्रालय के प्रस्ताव पर सहमत नहीं था। इसके बाद समिति ने अब इस विषय के संबंध में स्पष्टीकरण मांगने के लिए वित्त मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को बुलाने का फैसला किया है। दरअसल, समिति ने अपनी रिपोर्ट में सदस्य/ विधवा/ विधुर पेंशनभोगी को देय न्यूनतम मासिक पेंशन को कम से कम 2,000 रुपये तक का बढ़ाने की सिफारिश की थी. बढ़ती महंगाई को देखते हुए समिति ने यह प्रस्ताव दिया था।

पेंशन योजना में हुआ बदलाव

गौरतलब है कि ईपीएफओ ने छह महीने से भी कम समय में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत जमा राशि निकालने पर सहमती दे दी है। अब तक कर्मचारी भविष्य निधि कोष सब्सक्राइबरों को छह महीने से कम सेवा बाकी रहने पर कर्मचारी भविष्य निधि खाते से जमा राशि निकालने की ही इजाजत है। इस फैसले का मतलब है कि अब ईपीएफओ के अंशधारक पेंशन फंड से भी पैसे निकाल सकेंगे।

भारतीय स्मार्टफोन की बिक्री सितंबर तिमाही में दस प्रतिशत घटी : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश में स्मार्टफोन की बिक्री 2022 की तीसरी तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 4.3 करोड़ इकाई पर आ गई। बाजार अनुसंधान कंपनी इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के अनुसार, यह भारतीय स्मार्टफोन बिक्री बाजार में बिक्री का पिछले तीन साल में सबसे निचला स्तर है। जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान स्मार्टफोन की कुल बिक्री में 5जी स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 36 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसमें बीती तिमाही के दौरान 5जी स्मार्टफोन की औसत बिक्री का मूल्य बढ़कर 393 डॉलर प्रति स्मार्टफोन (लगभग 32,000 रुपये) पर पहुंच गया। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 377 डॉलर (लगभग 30,600 हजार रुपये) था। आईडीसी ने तिमाही आधार पर अपनी वैश्विक मोबाइल फोन निगरानी रिपोर्ट में कहा, ''भारत के स्मार्टफोन बाजार की बिक्री सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 4.3 करोड़ इकाई रह गई।'' रिपोर्ट में कहा गया, ''दीपावली और त्योहारों के बावजूद वर्ष 2019 के बाद से किसी भी तीसरी तिमाही में यह सबसे कम बिक्री थी। कमजोर मांग और स्मार्टफोन की कीमतों में बढ़ोतरी से त्योहारी खरीदारी पर नकारात्मक असर पड़ा है।'' रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2022 तिमाही के दौरान ऑनलाइन मंचो का पलड़ा भारी रहा। उन्होंने कुल स्मार्टफोन बिक्री में रिकॉर्ड 58 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। हालांकि, सालाना आधार पर ऑनलाइन मंचो से स्मार्टफोन बिक्री 2.5 करोड़ इकाई पर बराबर रही। मीडियाटेक प्रोसेसर पर आधारित स्मार्टफोन की बाजार में कुल हिस्सेदारी 47 प्रतिशत तक बढ़ गयी जबकि क्वालकॉम के यूएनआईएसओसी स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत घटकर 25 प्रतिशत रह गई। शियोमी ने तिमाही के दौरान 21.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक स्मार्टफोन बेचे। वहीं एप्पल 63 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ प्रीमियम श्रेणी में सबसे आगे रही।

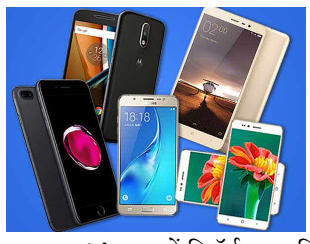

शुरुआती गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स 62 हजार के करीब, निफ्टी फ्लैट

मुंबई। एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन फिलहाल इसमें रिकवरी दिख रही है। इस समय 30 शेयरों वाला BSE सेंसेक्स 102 अंकों की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। यह 61,975 के लेवल पर पहुंच गया है। वहीं, निफ्टी की बात करें तो इसमें 9 अंकों की मामूली तेजी है। घरेलू शेयर बाजार के लिए बुधवार को ग्लोबल संकेत मिले-जुले नजर आ रहे हैं। कारोबार में प्रमुख एशियाई बाजारों में बिकवाली देखने को मिल रही है। वहीं, अमेरिकी बाजार की बात करें तो वे हरे निशान पर बंद हुए हैं। मंगलवार को ऑव्हो में 56.22 अंकों की तेजी रही और यह 33,592.92 के लेवल पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स में 0.87 फीसदी तेजी रही और यह 3,991.73 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि Nasdaq में 1.45 फीसदी बढ़त रही और यह 11,358.41 के लेवल पर बंद हुआ। हालांकि, एशियाई बाजारों की बात करें तो इससे नेगेटिव संकेत मिल रहे हैं। SGX Nifty में 0.15 फीसदी की कमजोरी है तो निक्केई 225 में 0.12 फीसदी की गिरावट नजर आ रही है। स्ट्रेट टाइम्स में 0.21 फीसदी और हैंगसेंग में 0.01 फीसदी की मामूली तेजी है। ताइवान वेटेड में 0.38 फीसदी तेजी है तो कोस्पी में 0.18 फीसदी की गिरावट है। शंघाई कंपोजिट में 0.15 फीसदी तेजी है। मंगलवार को कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत हुए थे। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 283 अंक की मजबूती के साथ 61,907 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 74 अंकों की तेजी के साथ 18,403 पर बंद हुआ है।

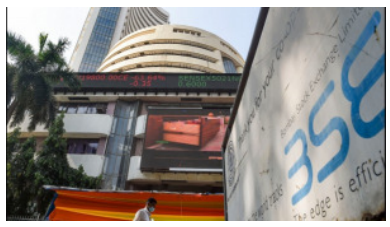

नौ रूसी बैंकों ने रुपये में व्यापार के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले

नयी दिल्ली। एजेंसी

रुपये में विदेशी व्यापार की सुविधा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अनुमति के बाद दो भारतीय बैंकों के साथ नौ विशेष 'वोस्ट्रो खाते' खोले गए हैं। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वोस्ट्रो खाता दरअसल ऐसा खाता होता है जो एक बैंक दूसरे बैंक की तरफ से खोलता या रखता है। रूस के सबसे बड़े स्बरबैंक और दूसरे सबसे बड़े वीटीबी यह मंजूरी पाने वाले पहले विदेशी बैंक हैं। ये दोनों आरबीआई द्वारा जुलाई में रुपये में विदेशी व्यापार पर दिशानिर्देशों की घोषणा के बाद मंजूरी प्राप्त करने वाले पहले विदेशी बैंक हैं। रूस के एक अन्य बैंक गैज़प्रॉम ने भी कोलकाता स्थित यूको बैंक के साथ वोस्ट्रो खाता खोला है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''नौ वोस्ट्रो खाते खोले गए हैं। एक यूको बैंक में, एक स्बर में, एक वीटीबी में और छह इंडसइंड बैंक में। '' विशेष वोस्ट्रो खाता खोलने के कदम से भारत और रूस के बीच व्यापार के लिए रुपये में भुगतान के निपटान का रास्ता साफ हो गया है। इससे भारतीय मुद्रा में सीमापार व्यापार करना सक्षम होगा जिसे आरबीआई बढ़ावा देना चाहता है। आरबीआई ने नयी व्यवस्था को लोकप्रिय बनाने में मदद करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खातों को भारत सरकार की प्रतिभूतियों में अधिशेष शेष राशि का निवेश करने की अनुमति दी है। यह पूछे जाने पर कि रूस के साथ रुपये में व्यापार कब शुरू होगा, सचिव ने कहा कि इसमें एक प्रक्रिया शामिल है और उम्मीद है कि यह जल्द ही अमल में आ जाएगी। बर्थवाल ने कहा कि उन्होंने यूको बैंक, आरबीआई और वित्तीय सेवा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की है और रुपये के व्यापार को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की है।

दुनिया में दिखी भारत की धमक

कू बना दुनिया का दूसरा बड़ा माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफार्म

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप , दुनिया के लिए उपलब्ध दूसरे सबसे बड़े माइक्रो-ब्लॉग के रूप में उभर कर सामने आया है। अब इससे आगे सिर्फ ट्विटर से ही पीछे है। इस मंच पर यूजर्स, उनके द्वारा बिताए जाने वाले समय और यूजर्स के जुड़ाव में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

दुनिया का दूसरा बड़ा प्लेटफार्म

इस समय दुनिया का सबसे बड़ा माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफार्म ट्विटर है। गूगल प्ले स्टोर पर इस समय इसके 100 करोड़ से भी ज्यादा डाउनलोड बताया जा रहा है। इसके बाद मार्च 2020 में लॉन्च किया गया कू ऐप (ख्दर्द ज्ज) ही नंबर आ गया है। इस लेटफॉर्म ने हाल ही में 5 करोड़ डाउनलोड हासिल किए हैं। कह सकते हैं कि इस समय भारतीय कू ऐप एकमात्र माइक्रो-ब्लॉग है जो ट्विटर, गेट्ट्र, ट्रुथ सोशल, मैस्टडॉन, पार्लर जैसे अन्य वैश्विक माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के साथ टक्कर ले रहा है और यूजर डाउनलोड के मामले में दूसरे स्थान (ट्विटर के बाद) पर पहुंच गया है। यदि इसी तरह से इसकी तरक्की जारी

रही तो अगले कुछ साल में ही यह ट्विटर के लिए खतरा बन सकता है। वैसे भी ब्ल्यू टिक के लिए पैसे लेने की घोषणा के बाद ट्विटर के कुछ यूजर्स बिदके हुए हैं।

अमेरिका और यूके समेत 100 से ज्यादा देशों में

कू ऐप सीईओ और सह-संस्थापक (CEO & Co-Founder) अप्रमेय राधाकृष्ण का कहना है कि फिलहाल, कू ऐप संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा, नाइजीरिया, यूएई, अल्जीरिया, नेपाल, ईरान और भारत सहित 100 से ज्यादा देशों में 10 भाषाओं में उपलब्ध है। लॉन्चिंग के बाद से कू ऐप ने प्लेटफॉर्म पर पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए 7,500+ येलो टिक ऑफ एमिनेंस और एक लाख ग्रीन सेल्फ वेरिफिकेशन टिक दिए हैं। यह ज्यादा से ज्यादा नई वैश्विक भाषाओं को जोड़ने और अधिक देशों में डिजिटल स्वतंत्रता को सक्षम बनाने के लिए काम कर रहा है। कू ऐप फिलहाल हिंदी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, असमिया, बंगाली और अंग्रेजी समेत 10 भाषाओं में उपलब्ध है।

वहां भी जाएंगे जहां शुल्क लिया जा रहा है

कू के सह-संस्थापक मयंक बिदावतका ने कहा, 'कू ऐप आज दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा माइक्रो-ब्लॉग है। वैश्विक स्तर पर माइक्रो-ब्लॉगिंग परिदृश्य में हो रहे बदलावों को देखते हुए हम उन भौगोलिक क्षेत्रों तक विस्तार करना चाहते हैं जहां मौलिक अधिकारों के लिए शुल्क लिया जा रहा है। हमारा मानना है कि इंटरनेट पर ऐसे मौलिक उपकरणों की कोई कीमत नहीं होनी चाहिए। एक-दूसरे से सुरक्षित तरीके से जुड़ना और संचार करना या अपनी पहचान साबित करना एक मौलिक अधिकार है। कू ऐप ने हमेशा विशिष्ट शख्सियतों को एक मुफ्त येलो एमिनेंस टिक और हर नागरिक के लिए एक आसान सेल्फ-वेरिफिकेशन टूल प्रदान किया है और ऐसा करना जारी रखेंगे। हम गर्व से इस 'मेड इन इंडिया' उत्पाद के लिए एक बड़े वैश्विक तबके को आमंत्रित करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।'

थोक महंगाई दर अक्टूबर में घटकर 19 माह के निचले स्तर 8.39 फीसदी पर

नई दिल्ली।आईपीटी नेटवर्क

महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को थोड़ी राहत देने वाली खबर है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर अक्टूबर महीने में घटकर 8.39 फीसदी पर आ गई है। अक्टूबर में ईंधन और विनिर्मित उत्पादों के दाम घटने से डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई में गिरावट दर्ज हुई है, जो 19 महीने का निचला स्तर है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार डब्ल्यूपीआई पर आधारित थोक महंगाई दर अक्टूबर में घटकर 19 महीने के निचले स्तर 8.39 फीसदी पर आ गई है। इससे पहले मार्च, 2021 में यह 7.89 फीसदी के स्तर पर रही थी। सितंबर में थोक महंगाई 10.79 फीसदी पर थी जबकि अक्टूबर, 2021 में थोक महंगाई 13.83 फीसदी रही थी।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक खनिज तेल, मूल धातु, फ्रैबिकेटेड धातु उत्पाद, अन्य गैर-धातु खनिज उत्पाद, खनिजों के दाम घटने से अक्टूबर में थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 8.33 फीसदी रही, जो सितंबर में 11.03 फीसदी रही थी। सब्जियों की महंगाई घटकर 17.61 फीसदी रही है, जो पिछले महीने 39.66 फीसदी पर थी। इसी तरह ईंधन और बिजली खंड की महंगाई 23.17 फीसदी और विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 4.42 फीसदी पर रही है। अप्रैल, 2021 से थोक महंगाई दर लगातार 18 महीने तक तक दो अंक में यानी 10 फीसदी से ज्यादा रही थी।

दरअसल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई महंगाई पर नियंत्रण के लिए मई से सितंबर के बीच मुख्य नीतिगत दर रेपो रेट में 1.90 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है, जो अब 5.90 फीसदी पर है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक दिन पहले ही अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर सात फीसदी से नीचे रहने की उम्मीद जताई है, जिसके आंकड़ें जारी होंगे।

अमेरिका ने करेंसी मॉनिटरिंग लिस्ट से हटाया भारत का नाम

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका के वित्त विभाग ने इटली, मेक्सिको, थाईलैंड, वियतनाम के साथ भारत को प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है। भारत पिछले दो साल से इस सूची में था। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों के मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने अपनी भारत यात्रा के साथ शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। इसी दिन अमेरिका के वित्त विभाग ने यह कदम उठाया है।

मुद्रा निगरानी सूची में हैं ये देश

वित्त विभाग ने संसद को अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान सात देश हैं, जो मौजूदा निगरानी सूची में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन देशों को सूची से हटाया गया है, उन्होंने लगातार दो रिपोर्ट में तीन में से सिर्फ एक मानदंड पूरा किया है।

चीन को बड़ा झटका

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपने विदेशी विनिमय हस्तक्षेप को प्रकाशित करने में विफल रहने और अपनी विनिमय दर तंत्र में पारदर्शिता की कमी के चलते वित्त विभाग की नजदीकी निगरानी में है। गौरतलब है कि अमेरिका उन देशों को निगरानी सूची में रखता है, जिनकी फॉरेन एक्सचेंज रेट पर उसे शक होता है।

मुद्रा निगरानी सूची क्या है?

भारत पिछले दो साल से अमेरिका की मुद्रा निगरानी सूची में था। अमेरिका अपने प्रमुख भागीदारों की मुद्रा पर निगरानी के लिए यह लिस्ट तैयार करता है। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों की मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। उन देशों को निगरानी सूची में रखा जाता है, जिनकी फॉरेन एक्सचेंज रेट पर उसे शक होता है।

29 नवंबर को ट्विटर की 'ब्लूटिक' सब्सक्रिप्शन सेवा फिर शुरू करेंगे

न्यूयॉर्क। एजेंसी

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने कहा है कि ट्विटर की आठ अमेरिकी डॉलर वाली ब्लूटिक सब्सक्रिप्शन सेवा 29 नवंबर को फिर शुरू की जाएगी। माइक्रोब्लॉगिंग मंच ने फर्जी खातों की शिकायत आने के बाद इसे अस्थायी रूप से रोक दिया था। ट्विटर पर 27 अक्टूबर को मस्क के नियंत्रण से पहले ब्लूटिक मशहूर हस्तियों, सरकार से जुड़े लोगों, पत्रकारों और अन्य हस्तियों को दिया जाता था। इसके लिए पहले उनके प्रोफाइल को सत्यापित किया जाता था। ट्विटर ने छह नवंबर को कहा कि कोई भी आठ डॉलर का शुल्क देकर ब्लूटिक ले सकता है। बताया गया कि कंपनी ने आय बढ़ाने के उपायों के तहत ऐसा किया। हालांकि, इस फैसले से फर्जी खाते बढ़ गए, जिसके बाद ट्विटर को अस्थायी रूप से इस सेवा को रोकना पड़ा। मस्क ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, ''ब्लू वेरिफाइड को 29 नवंबर तक फिर से शुरू किया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह भरोसेमंद है।'' मस्क ने कहा कि नई शुरुआत के साथ किसी भी सत्यापित नाम को बदलने पर ब्लूटिक निशान चला जाएगा और ट्विटर की सेवा शर्तों के तहत नाम की पुष्टि के बाद ही ब्लूटिक वापस मिलेगा। पिछले हफ्ते मस्क ने संकेत दिया था कि वह ब्लूटिक सब्सक्रिप्शन सेवा को फिर से शुरू करेंगे।

पान के पत्ते से जुड़े यह उपाय खोल सकते हैं आपकी बंद किस्मत का ताला, जानिए कैसे?

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में पान का बहुत अधिक महत्व है। लगभग सभी पूजा-अनुष्ठान में पान के पत्ते का उपयोग किया जाता है। संस्कृत में पान के पत्ते को तांबूल कहा जाता है,शास्त्रों में इसे बहुत शुभ और मंगलकारी माना गया है।देवी-देवताओं की प्रसन्नता के लिए उन्हें पान नैवेद्य के रूप में अर्पित भी किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान पूजा में पान के पत्तों का इस्तेमाल किया गया था। ज्योतिष एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पान के पत्ते से जुड़े कुछ उपाय हैं जिनको अपनाकर आप अपने जीवन की समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

कार्यों में आ रही रूकावट को दूर करने के लिए

यदि आप बहुत दिनों से किसी कार्य को करने का प्रयास कर रहे हैं या आपको अपने जॉब में सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो घर से बाहर जाते समय जेब में पान का पत्ता रखकर जाएं। आप चाहें तो अपने पर्स में भी पान का पत्ता रखकर जा सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से आपके सभी कार्य बिना किसी विघ्न के पूरे होंगे।

कष्टों को दूर करने के लिए

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी को लगा हुआ पान अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नानादि से निवृत होकर हनुमान मंदिर में पान हनुमान जी के चरणों में अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से बजरंगबली उस व्यक्ति के सारे कष्ट हर लेते हैं।

रोग मुक्ति के लिए

पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। मंगलवार और शनिवार के दिन 11 पान के पत्ते लेकर उन पर लाल चन्दन से राम नाम लिखें और पीले या लाल धागे से उनकी एक माला बनाकर हनुमानजी के गले में धारण करवा दें एवं रोग मुक्ति की प्रार्थना करें।

व्यवसाय में बरकत के लिए

काफी प्रयास करने के बाद यदि आपका व्यवसाय नहीं चल रहा है तो शनिवार के दिन 5 पान के साबुत पत्ते लेकर एक ही धागे में बांध दें। इस धागे को अपनी दुकान में पूर्व दिशा में बांध दें। हर शनिवार को यह पत्ते और धागा बदल दें। पुराने पत्तों को जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से आपके व्यवसाय में आ रही बाधा दूर होती हैं।

मधुर दांपत्य के लिए

यदि आपके दांपत्य जीवन में तनाव रहता है तो शुक्रवार के दिन पान के एक पत्ते में 7 गुलाब की ताज़ा पंखुड़ियां रखें और इसे माता लक्ष्मी के मंदिर में अर्पित करें। यदि आप मंदिर नहीं जा सकती हैं तो घर में ही लक्ष्मी जी की तस्वीर के पास इसे रखें। लेकिन ध्यान रहे इस पर किसी बाहरी व्यक्ति की नजर न पड़े। यह उपाय कम से कम 4 शुक्रवार तक आजमाएं,धीरे-धीरे पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ जाएगा।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

घर में वास्तुदोष होने के कारण घर की सुख-शांति भंग होती है,कलह का माहौल रहता है। दुकान या प्रतिष्ठान में वास्तुदोष होने से हमेशा घाटा होता रहता है। घर या प्रतिष्ठान में वास्तुदोष व नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए पान के पत्ते से हल्दी मिश्रित जल का छिड़काव करें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर तो दूर होगी और धन लाभ भी होगा।

कुंडली में कमजोर सूर्य को बलवान बनाएगा बारह मुखी रुद्राक्ष

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार यदि किसी जातक की कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर है तो उसे जीवन में संघर्ष करना पड़ता है। लाख प्रयासों के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। सूर्य कुंडली में आत्मबल, आत्मविश्वास व ऊर्जा का कारक माना जाता है। लेकिन कुंडली में सूर्य की कमजोर स्थिति से जातक का आत्मविश्वास कमजोर होता है। किसी भी प्रकार के निर्णय लेने में सक्षम नहीं होता है। जीवन में पैसा कम व संघर्ष ज्यादा बन जाता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए और संघर्ष को खत्म करने के सूर्य का कुंडली में बलि होना अति आवश्यक है। बता दें कि कुंडली में पीड़ा के कारणों में सूर्य का कमजोर होना तो बहुत ही आम बात है। अगर कुंडली में सूर्य अच्छी स्थिति में है तो व्यक्ति को नई ऊर्जा शक्ति प्राप्त होती रहती है। सूर्य को बलशाली बनाने के लिए बारह मुखी रुद्राक्ष एक बेहतर उपाय है।

बारह मुखी रुद्राक्ष के फायदे

1.बारह मुखी रुद्राक्ष भगवान श्रीहरि नारायण का स्वरुप माना गया है। बारह मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से सूर्य से तेज प्राप्त होता है। सूर्य के प्रभाव से व्यक्ति शक्तिशाली और तेजस्वी बनता है।

2.सिद्ध बारह मुखी रुद्राक्ष से व्यक्ति के जीवन से गरीबी दूर हो जाती है। आर्थिक तौर पर व्यक्ति समपन्न बनता है।

3.बारह मुखी रुद्राक्ष धारण करने से परिवार को सुख एवं संपत्ति प्राप्त होती रहती है।

4.शास्त्रों में सूर्य देव के इस रुद्राक्ष को अश्वमेघ के समान शक्तिशाली बताया गया है। इस रुद्राक्ष द्वारा दुःख, निराशा , कुंठा , पीड़ा और दुर्भाग्य का नाश होता है।

5.यदि कोई व्यक्ति बहुत जल्दी-जल्दी बीमार हो जाता है या मानसिक रूप से कोई जातक परेशान रहता है तो ऐसे में बारह मुखी रुद्राक्ष उस व्यक्ति के लिए ब्रह्मास्त्र के समान है।

6.हृदय रोग, फेफड़ों के रोग और त्वचा रोग संबंधी सभी प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक परेशानियों का यह रुद्राक्ष नाश करता है।

7.बाहर मुखी रुद्राक्ष धारण करने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

बारह मुखी रुद्राक्ष धारण करने का दिन

इस चमत्कारी बारह मुखी रुद्राक्ष को धारण करने के लिए रविवार का दिन शुभ माना गया है। इस दिन किसी शुभ मुहूर्त में इसे धारण किया जा सकता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह रुद्राक्ष धारण करने से पूर्व मन्त्रों द्वारा सिद्ध किया जाना चाहिए। तभी इसका लाभ आपको प्राप्त होगा। बारह मुखी रद्राक्ष धारण करने से व्यक्ति की कुंडली में सूर्य बलशाली हो जाता है।

तुलसी के पत्तों के इस उपाय से घर पर कभी नहीं होती धन की कमी, मां लक्ष्मी का होता है वास

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पूजनीय और पवित्र माना गया है। धार्मिक शास्त्रों में तुलसी का देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। भगवान विष्णु का तुलसी अति प्रिय होती है। इसी कारण से तुलसी के दूसरा नाम हरि प्रिया भी है। घर के आंगन में तुलसी लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है जिन घरों में तुलसी का पौधा लगा हुआ होता और प्रतिदिन पानी और शाम को घी के दीपक जलाकर पूजा की जाती है वहां पर हमेशा मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। भगवान विष्णु के अलावा भगवान श्रीकृष्ण और हनुमान जी को तुलसी अति प्रिय होती है। तुलसी के पत्तों में कई तरह के औषधीय गुण मौजूद रहते हैं। तुलसी के पौधे में एंटीबैक्टीरियल,एंटीफंगल व एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो संक्रमण से लड़ने में शरीर को सक्षम बनाते हैं। संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए तुलसी का सेवन करना बहुत कारगर उपाय है। वहीं वास्तुदोष को दूर करने, धन प्राप्ति और जीवन में सुख-समृद्धि के लिए तुलसी के पत्तों के उपाय अपनाए जाते हैं।

तुलसी के पौधे और धन प्राप्ति के उपाय

- वास्तु के अनुसार घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए तुलसी के पौधे को उत्तर,उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इन दिशाओं में तुलसी का पौधा लगाना घर में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने वाला होता है।

- अगर आपके घर पर अक्सर परिवार के सदस्यों के बीच में लड़ाई- झगड़े और पारिवारिक कलह होती रहती है तो प्रतिदिन तुलसी के पौधे को जल देना चाहिए। इस उपाय से घर में कलह दूर होती है।

- धन लाभ के लिए सुबह उठकर तुलसी के ग्यारह पत्ते तोड़ लें। इन पत्तों को तोड़ने से पहले तुलसी मां से हाथ जोड़कर क्षमा मांग लें और इसके बाद ही इन्हें तोड़ें। इन पत्तों को घर के उस बर्तन में डाल दें जहां आप आटा रखते हैं।

- नौकरी व कारोबार में तरक्की के लिए गुरुवार को तुलसी का पौधा पीले कपड़े में बांधकर,ऑफिस या दुकान में रखें। ऐसा करने से कारोबार बढ़ेगा और नौकरी में प्रमोशन भी हो जाएगा।

नौकरी और व्यापार में जबरदस्त धन लाभ दिलाएंगे फेंगुशई के ये उपाय

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

चीनी वास्तु शास्त्र में नकारात्मकता को दूर करने और समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए फेंगशुई प्रतीकों का उपयोग किया जाता है। ये प्रतीक बाजार में बहुत ही आसानी से मिल जाते हैं। बहुत से इन्हें अपने घर में शोपीस की तरह सजा कर रखते हैं। यदि आपके जीवन में भी परेशानियां बढ़ गई हैं या लगातार मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही है तो आप फेंगशुई में बताए इन आसान उपायों को करके नकारात्मकता और परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं। चलिए जानते हैं फेंगशुई के शक्तिशाली प्रतीकों के बारे में....

लाफिंग बुद्धा

यदि आप सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा चाहते हैं तो घर या ऑफिस में लाफिंग बुद्धा की प्रतिमा रखते हैं। इसके अलावा बिजनेस में तरक्की के लिए अपने कार्यस्थल पर दोनों हाथों को ऊपर उठाए हुए लाफिंग बुद्धा की मूर्ति को रखना चाहिए।

विंड चाइम

यदि घर में नकारात्मकता बढ़ गई है तो फेंगशुई के अनुसार आपको अपने घर के दरवाजे पर या फिर ऐसी जगह पर विंड चाइम लगानी चाहिए जहां पर हवा का झोंका आता-जाता हो। जब भी हवा विंड चाइम से टकराती है तो उससे एक मधुर ध्वनि उत्पन्न होती है जो नकारात्मकता को दूर करने में बहुत सहायक होती है।

ऊंट का शोपीस

घर में ऊंट का शोपीस रखने से जीवन में मुश्किल समय का सामना नहीं करना पड़ता है। फेंगशुई के अनुसार यदि बिजनेस में लाभ नहीं हो रहा है या कर्मचारी काम करने से जी चुराते हैं, तो कार्यस्थल पर ऊंट के शोपीस लगाना चाहिए। इससे शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं।

क्रिस्टल पिरामिड

फेंगशुई के मुताबिक क्रिस्टल पिरामिड घर एवं ऑफिस की सारी नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर देता है। अगर घर में सदस्य अक्सर बीमार रहते हैं या धन मार्ग में किसी तरह की रुकावट आती है, तो इसे लगाने से वह समस्या दूर हो जाती है।

धातु का कछुआ

घर में धातु का कछुआ रखना बहुत शुभ होता है। इसे घर की उत्तर दिशा में घर की ओर मुंह करके रखना बहुत शुभ होता है। इसके अलावा यदि पैसों की तंगी बहुत ज्यादा बढ़ गई हो तो क्रिस्टल वाला कछुआ रखें।

बिल्ली

फेंगशुई के अनुसार, लकी कैट यानी बिल्ली को बहुत प्रभावी माना गया है। यदि अपनी आमदनी बढ़ाना चाहते हैं तो घर या दुकान में उत्तर दिशा में सुनहरे पीले रंग की बिल्ली रखना उचित है।

'स्मार्ट प्लाईवुड बाइंग गाइड' भारतीयों का सही प्लाईवुड का चयन करने के लिए किताब

प्लाईवुड इंटीरियर का मूल रूप है और जीवन का एक अभिन्न अंग है

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

श्री अखिलेश चितलांगिया द्वारा लिखित पुस्तक 'स्मार्ट प्लाईवुड बाइंग गाइड' अपने घर या ऑफिस के लिए इंटीरियर्स की योजना बना रहे लोगों को अवश्य पढ़ना चाहिए। चूँकि, प्लाईवुड घर के इंटीरियर्स का अन्तर्भाग है और इनका जीवन काल तय करता है, श्री चितलांगिया भारतीयों को प्लाईवुड खरीदने के लिए शोध करने में अधिक समय लेने की सलाह दे रहे हैं। श्री चितलांगिया कहते हैं, 'आप अपने घर या ऑफिस के इंटीरियर्स के साथ, अपने परिवार के सदस्यों से भी अधिक समय बिताते हैं। इसलिए, कृपया प्लाईवुड को और अधिक गहनता से जानें।' बोस्टन यूनिवर्सिटी, यूएसए से अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद, श्री अखिलेश चितलांगिया विरासत में मिले अपने पारिवारिक व्यवसाय में शामिल हो गए। उन्हें यह जानकार बहुत आश्चर्य हुआ कि जो ग्राहक घर खरीदने में करोड़ों रुपयों और उसके इंटीरियर्स में लाखों रुपयों का निवेश करते हैं, वे सही प्लाईवुड के चुनाव को लेकर थोड़ा भी समय नहीं देते हैं। श्री चितलांगिया की सलाह है, 'एक ब्रांडेड प्लाईवुड की वृद्धिशील लागत, आपकी इंटीरियर लागत की सिर्फ 1ऱ है। इसलिए, यह एक आर्थिक समझदारी है कि सही प्लाईवुड खरीदने में थोड़ा समय दें।' आसान अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में लिखी गई यह पुस्तक संबंधित क्षेत्र के गहन ज्ञान से प्रेरित है और व्यापक विवरण प्रस्तुत करती है । इसकी शुरुआत अन्य बिल्डिंग मटेरियल्स की तुलना में लकड़ी के पर्यावरण के अनुकूल होने की आधारभूत जानकारी देने से होती है, इसके बाद प्लाईवुड को कैसे एक टिकाऊ विकल्प बनाया जाता है, इसका वर्णन शामिल है। प्लाईवुड के चुनाव में लिया गया एक गलत निर्णय, धन, समय और निश्चित रूप से मन की शांति को क्षति पहुँचा सकता है। इसके बाद पुस्तक में लकड़ी के स्रोत प्रकार के अनुसार प्लाईवुड के विभिन्न प्रकारों और इसके लाभ तथा हानियों का वर्णन शामिल है। यह पुस्तक रेजिन और ग्राहकों के स्वास्थ्य पर इससे पड़ने वाले प्रभावों के बारे में भी शिक्षित करती है, जो कि प्लाईवुड बनाने में बहुत महत्वपूर्ण घटक है। यह भी एक महत्वपूर्ण कारण है जिसके वजह से व्यक्ति को ब्रांडेड प्लाईवुड खरीदना चाहिए। पुस्तक में प्लाईवुड ब्लॉकबोर्ड के प्रकराओं का वर्णन भी शामिल है, जो यह बताती है कि इन प्रोडक्ट्स में से किसका उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पुस्तक मरीन प्लाई के सही प्रकार की पहचान करने की भी शिक्षा प्रदान करती है। पुस्तक की हिंदी भाषा के विमोचन की घोषणा करते हुए, लेखक श्री अखिलेश चितलांगिया, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, ड्यूरोप्लाई, ने कहा, 'मेरा मिशन यह देखना है कि विगत पीढ़ियों के इंटीरियर्स की तुलना में भारतीय, इंटीरियर्स के लिए सही प्लाईवुड खरीदने को प्रखरता देना शुरू कर दें। यह तभी संभव हो सकेगा, जब कोई सही प्लाईवुड खरीदता है। मैंने अपने परिवार के 65 वर्ष से अधिक पुराने व्यवसाय से इंडस्ट्री की तमाम अंतर्दृष्टि और छिपे रहस्यों को समेटते हुए इस पुस्तक को लिखने का फैसला किया। मैंने पुस्तक में पाठकों के लिए विभिन्न प्रोडक्ट्स की तुलना और एक सही प्रोडक्ट की पहचान करने का तरीका भी पेश किया है। मुझे उम्मीद है कि हमारे ग्राहक इस पहलू पर ध्यान देना शुरू करेंगे, जो उन्हें कई तरह से फायदा पहुँचाने में कारगर सिद्ध होगा।'

केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया केनरा रोबेको मिड कैप फंड एनएफओ

घरेलू वृद्धि की बढ़ती संभावना में निवेश का मौका

5 साल से अधिक के निवेश क्षितिज वाले अनुभवी निवेशकों के लिए उपयुक्त

आईपीटी नेटवर्क

मुंबई। भारत की परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में से एक, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने केनरा रोबेको मिड कैप फंड, एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना शुरू करने की घोषणा की, जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी संबंधित साधनों (इंस्ट्रूमेंट) में निवेश करेगी। इसका लक्ष्य होगा पाँच साल और उससे अधिक की दीर्घावधि में निवेश पर भारी लाभ प्रदान करना। केनरा रोबेको मिड कैप फंड का नया फंड ऑफर (एनएफओ) आज, 11 नवंबर, 2022 को खुलेगा और शुक्रवार, 25 नवंबर, 2022 को बंद होगा।

फंड हाउस के रूप में, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड का मुख्य रूप से सक्षम प्रबंधन और उचित मूल्यांकन वाली मज़बूत विकासोन्मुख कंपनियों में निवेश करती है, केनरा रोबेको मिड कैप फंड का उद्देश्य है ऐसी मिड कैप कंपनियों में निवेश करना जिनमें उद्योग वृद्धि, कंपनी की वृद्धि और मज़बूत प्रबंधन के तत्व परिलक्षित होते हों। इस मौके पर, कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी श्री रजनीश नरूला ने कहा: 'केनरा रोबेको मिड कैप फंड निवेश के एकमुश्त और एसआईपी दोनों ज़रिये से लंबी अवधि में संपत्ति सृजन का आकर्षक अवसर प्रदान करेगा। म्यूचुअल फंड के जो निवेशक पांच साल से अधिक के लिए निवेश को ध्यान में रखते हुए, बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति धीरज रखने के लिए तैयार हैं उन्हें जोखिम समायोजित लाभ होगा।'

श्रीदत्त भांडवलदर, इक्विटी प्रमुख एवं फंड प्रबंधक, ने कहा मिडकैप खंड में पिछले कुछ साल में आय में वृद्धि दर्ज करने वाली प्रमुख कंपनियों की बढ़ती संख्या और इनमें से 75 प्रतिशत का घरेलू कारकों पर निर्भर करने, नई थीम तथा खंड में कम जानी-मानी कंपनियों का बेहतर जोखिम-समायोजित मुनाफा देने के कारण ये मिडकैप खंड में आकर्षक निवेश का मौक़ा प्रदान करते हैं।

CANARA ROBECO Mutual Fund

ऑस्ट्रेलिया एक्सपो में भाग ले रहे भारतीय परिधान निर्यातकः एईपीसी

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने बुधवार को कहा कि उसके सदस्य अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने और निर्यात बढ़ाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के 'इंटरनेशनल सोर्सिंग एक्सपो' में भाग ले रहे हैं। एईपीसी के चेयरमैन नरेन गोयनका ने कहा कि यह एक्सपो, भारतीय परिधान निर्यातकों के लिए अपने परिधान डिजाइन और शैलियों को प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच है। उन्होंने कहा कि परिषद ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य द्वीपीय देशों को निर्यात को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया पारंपरिक रूप से भारतीय परिधान क्षेत्र के लिए एक बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। हमारे परिधान निर्यात में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा लगभग चार प्रतिशत है। हम हाल में हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते की सराहना करते हैं और हमें ऑस्ट्रेलियाई बाजार में एक मजबूत उपस्थिति की उम्मीद है।''

2021-22 के लिए अब तक 6.85 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अब तक 6.85 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। यह आंकड़ा 31 दिसंबर तक बढ़ सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। व्यक्तिगत श्रेणी में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई थी, जबकि कॉरपोरेट और अन्य लोगों के लिए, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट कराने की जरूरत है, यह तारीख सात नवंबर 2022 थी। अगर कोई इस अंतिम तारीख तक रिटर्न नहीं भर पाता है, तो वह दंड का भुगतान करके 31 दिसंबर तक रिटर्न दाखिल कर सकता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा, ''अब तक आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 6.85 करोड़ कर रिटर्न दाखिल किए गए हैं और हमें उम्मीद है कि यह संख्या 31 दिसंबर तक बढ़ेगी।''

भारत का खाद्य तेलों के आयात पर खर्च 34 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत का खाद्य तेलों के आयात पर खर्च अक्टूबर, 2022 को समाप्त होने वाले तेल वर्ष में 34.18 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि मात्रा के संदर्भ में यह 6.85 प्रतिशत बढ़कर 140.3 लाख टन रहा है। खाद्य तेल उद्योग निकाय एसईए ने सोमवार को यह जानकारी दी। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अनुसार, दुनिया के प्रमुख वनस्पति तेल खरीदार देश भारत ने तेल वर्ष 2020-21 (नवंबर-अक्टूबर) में 1.17 लाख करोड़ रुपये का 131.3 लाख टन खाद्य तेलों का आयात किया था।

पहली दो तिमाहियों के दौरान आयात धीरे-धीरे बढ़ा और तीसरी तिमाही में यह धीमा हो गया। हालांकि, इंडोनेशिया द्वारा पाम तेल पर प्रतिबंध हटाने और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज गिरावट के कारण चौथी तिमाही में यह फिर से बढ़ गया, जब भारत से खरीद में बढ़ोतरी हुई। एसईए के अनुसार, इस साल पाम तेल की कीमतों में अधिक घटबढ़ ने भारत की पाम तेल की खरीदारी को प्रभावित किया।

उसने कहा कि मार्च-अप्रैल में थोड़े समय के लिए पाम तेल हल्के तेलों जितना महंगा रहा। निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के इंडोनेशिया के फैसले से मई-जून में इसकी उपलब्धता और प्रभावित हुई थी। जैसा कि अपेक्षित था, भारत की पाम तेल की खरीदारी गिर गई और हल्के तेल का आयात बढ़ गया।

एसईए ने बयान में कहा, नतीजतन, तेल वर्ष 2021-22 के दौरान पाम तेल आयात घटकर 79.15 लाख टन रह गया जबकि इसके पिछले वर्ष 83.21 लाख टन का आयात किया गया था। हल्के तेल का आयात इस वर्ष पहले के 48.12 लाख टन से बढ़कर 61.15 लाख टन हो गया।

एसईए ने कहा कि पाम तेल उत्पादों में, आरबीडी पामोलिन का आयात 2021-22 में दोगुना से अधिक बढ़कर 18.41 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 6.86 लाख टन था। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का आयात 74.91 लाख टन के मुकाबले 20 प्रतिशत घटकर 59.94 लाख टन रह गया, जबकि कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात उक्त अवधि में 1,43,000 टन से घटकर 80,000 टन रह गया।

एसईए ने बयान में कहा कि हल्के तेलों में, सोयाबीन तेल का आयात इस साल तेजी से बढ़कर 41.71 लाख टन हो गया, जो वर्ष 2020-21 में 28.66 लाख टन था। इसी तरह, सूरजमुखी तेल का आयात इस साल मामूली बढ़कर 19.44 लाख टन हो गया, जो पिछले साल 18.94 लाख टन था। एक नवंबर तक देश में 24.55 लाख टन खाद्य तेलों का शुरुआती भंडार था। भारत को प्रतिमाह लगभग 19 लाख टन खाद्य तेल की जरूरत होती है और वर्तमान में यह स्टॉक 40 दिन का है। इंडोनेशिया और मलेशिया भारत को आरबीडी पामोलिन और सीपीओ के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश हैं।

प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला भारत के 199 जिलों में आयोजित किया जाएगा

मेला 25 राज्यों के 199 जिलों में शुरू होगा, कई लोकल बिज़नेस को आमंत्रित किया गया है

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्किल इंडिया मिशन के तहत भारत के युवाओं के लिए करियर के अवसरों को बढ़ावा देने के विज़न के एक हिस्से के रूप में, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) 14 नवंबर, 2022 को 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 199 स्थानों पर प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेन्टिसशिप मेला (पीएमएनएएम) आयोजित करेगा। स्थानीय युवाओं को अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग के माध्यम से अपने करियर को आकार देने का अवसर प्रदान करने के लिए कई लोकल बिज़नेस को मेले का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस आयोजन में विभिन्न सेक्टर्स की विभिन्न कंपनियों की भागीदारी देखी जाएगी। भाग लेने वाली कंपनियों को एक प्लेटफार्म पर संभावित अप्रेन्टिस से मिलने और मौके पर एप्लिकेन्ट्स को चुनने और उन्हें अपने ऑर्गनाइज़ेशन का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करने का मौका मिलेगा।

आवेदक द्वारा वेबसाइट https://www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाकर मेले के लिए पंजीकरण किया जा सकता है और मेला के निकटतम स्थान का पता लगाया जा सकता है। जिन उम्मीदवारों ने कक्षा 5 से कक्षा 12 तक उत्तीर्ण किया है और उनके पास स्किल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट है, या आईटीआई डिप्लोमा धारक या स्नातक इस अप्रेन्टिसशिप मेले के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को अपने रिज्यूमे की तीन प्रतियां, सभी मार्कशीट और सर्टिफिकेट की तीन प्रतियां, फोटो आईडी (आधार कार्ड / ड्राइविंग लाइसेंस आदि) और तीन पासपोर्ट आकार के फोटो संबंधित स्थानों पर ले जानी होंगी।

जिन लोगों ने पहले ही नामांकन कर लिया है, उनसे सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने का अनुरोध किया गया है। इस मेले के माध्यम से, उम्मीदवार नेशनल काउन्सिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट भी अर्जित करेंगे, जिससे ट्रेनिंग सेशन के बाद उनकी रोजगार दर में सुधार होगा। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने प्रधानमंत्री अप्रेन्टिसशिप मेला पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, 'हमें पिछले महीने के अप्रेन्टिसशिप मेला के दौरान उन संभावित युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली, जो कड़ी मेहनत करने, हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान करने और हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद करने के लिए उत्सुक हैं। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य कंपनियों को अधिक अप्रेन्टिस को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है, साथ ही इम्प्लायर्स को ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल स्किलसेट के माध्यम से उनकी क्षमता की खोज और विकास में सहायता करना है। अप्रेन्टिसशिप से उच्च शिक्षा तक विश्वसनीय मार्ग बनाने के अलावा एजुकेशनल ईकोसिस्टम में अप्रेन्टिसशिप को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है।'

पहले हीरो डर्ट बाइकिंग चैलेंज रोमांचक फिनाले के साथ हुआ का समापन

विजेता ने एक्सपल्स 200 4वी और 10 लाख रुपये का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट जीता

जयपुर। आईपीटी नेटवर्क

तरह-तरह के खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, विश्व में मोटरसाइकिल और स्कूटरों के सबसे बड़े निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने भारत में ऑफ-रोड राइडिंग चैंपियन को विजेता का ताज पहनाया। इससे पहले, कंपनी ने देश भर में राइडर्स और बाइकिंग का जुनून रखने वाले लोगों के लिए चार महीने तक बेहद कठिन प्रतियोगिता हीरो डर्ट बाइकिंग चैलेंज का आयोजन किया। हीरो डर्ट बाइकिंग चैलेंज (एचडीबीसी) को जुलाई 2022 में लॉन्च किया गया था। इसका समापन फाइनल रेस के साथ किया गया जिसमें देश भर के टॉप 20 राइडर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने पहला एचडीबीसी चैंपियन बनने के लिए आपस में प्रतियोगिता की। असद खान फाइनल रेस के बाद चैंपियन के रूप में उभरे। राकेश एन. और गिदयुन क्रमशः पहले और दूसरे रनर अप रहे। विजेताओं के साथ पहले रनर अप और दूसरे रनरअप को हीरो एक्सपल्स 200 4वी मोरटसाइकिल और क्रमशः 10 लाख रुपये, 6 लाख रुपये और 4 लाख रुपये का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट प्रदान किया गया। ओलेस्?या डियास को सभी राउंड में शानदार परफॉर्मेंस देने के लिए बेस्ट फीमेल ऑफ-रोड राइडर के पुरस्कार से नवाजा गया। फिनाले वीक का आयोजन जयपुर में हीरो मोटोकॉर्प के विश्वस्तरीय आरएण्डडी केंद्र, सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीआईटी) और उसके आसपास के इलाकों में किया गया। यह पूरी रेस को टॉप इंटरनेशनल रैली इवेंट्स की तर्ज पर डिजाइन किया गया था, जिससे इसमें भाग लेने वाले बाइक राइडर्स को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अनुभव मिल सके। इस पूरे फिनाले वीक का आयोजन हीरो मोटोस्पोटर्स टीम रैली द्वारा किया गया। पिछले कुछ महीनों में, एचडीबीसी में 100,000 से ज्यादा भागीदारों ने रजिस्ट्रेशन कराया। देश भर में चार चरणों में हुई इस मुश्किल और कठिन प्रतियोगिता का आयोजन 120 से ज्यादा दिनों तक 41 शहरों में कराया गया। इसमें से टॉप 20 बाइकर्स को शॉर्टलिस्ट किया गया था।

एक्सॉनमोबिल ने इंडियन रेसिंग लीग के लिए रेसिंग प्रोमोशंस के साथ साझेदारी की

चेन्नई। एजेंसी

एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड देश में मोटरस्पोर्ट्स की दुनिया में हलचल मचाने के लिए इंडियन रेसिंग लीग का ऑफिशियल पार्टनरबन गया है। इसके लिए कंपनी ने रेसिंग प्रोमोशंस प्राइवेट लिमिटेड (आरपीपीएल) के साथ साझेदारी की है।हैदराबाद में 19 नवंबर से शुरू हो रहा इंडियन रेसिंग लीग (आईआरएल) कापहला संस्करण वोल्फ रेसिंग द्वारा पावर्ड है। यह देश में एकमात्र 4-व्हील रेसिंग लीग है जिसमें 6 शहर-आधारित फ्रैंचाइज़ी टीमें हिस्सा लेंगी। पूर्व फार्मूला वन और ली मैन्स ड्राइवर्स सहित महिलायें एवं पुरुष दोनों इस प्लेटफॉर्म में रेस करेंगे। यह प्लेटफॉर्म समान रूप से महिलाओं और पुरुषों दोनों को मौका देगा। आईआरएल के राउंड 2 और राउंड 3 का आयोजन मद्रास मोटर इंटरनेशनल सर्किट (एमएमआरटी) में नवंबर एवं दिसंबर में वीकेंड्स पर किया जाएगा, और ग्रैंड फिनाले 10-11 दिसंबर को फिर हैदराबाद में होगा। इंडियन रेसिंग लीग

(आईआरएल) के पहले संस्करण में 24 ड्राइवर्स 12 रेस में हिस्सा लेंगे। 4 राउंड में होने वाली इस रेस में मशहूर एप्रिलिया 1100 सीसी 220 एचपी इंजनों का इस्तेमाल कर शीर्ष स्थान के लिए ड्राईवरों के रोंगटे खड़े कर देने वाले ऐक्शन देखने को मिलेंगे। इस रेसिंग के दौरान हैदराबाद में भारत का पहला एफआईए ग्रेडेड स्ट्रीट सर्किट भी होगा।यह पहली बार है जब स्ट्रीट रेसिंग भारत में होने जा रही है जिसके लिए सुरक्षा एवं तमाम इंतजाम किए गए हैं। सिटी सेंटर के करीब होने के कारण, यह ट्रैक लीग के लिए भारी भीड़ आकर्षित करने वाला साबित होगा। एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ, विपिन राणा ने कहा कि : 'इंडियन रेसिंग लीग - वोल्फ रेसिंग को ताकत प्रदान करने के लिए आरपीपीएल के साथ हमारी साझेदारी भारत में मोटरस्पोर्ट्स को सपोर्ट करने के हमारी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाती है, जहाँ रेसिंग के दीवानों की कम्युनिटी एक दमदार नया सर्किट तैयार कर रही है। हम देश में इस उभरते स्पोर्ट्स को सपोर्ट करने और विश्व-स्तरीय प्रतिष्ठा तथा पहुँच का आकर्षक प्लैटफॉर्म तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केबल टीवी सेवाएं देने वालों को 10 दिन के भीतर पंजीकरण कराने का निर्देश

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने केबल टीवी सेवाएं देने वाले परिचालकों (एमएसओ) को अगले 10 दिन के भीतर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में अपना पंजीकरण कराने का आदेश दिया है। ऐसा न करने पर परिचालकों को प्राप्त मंजूरियां निरस्त की जा सकती हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने मई में एमएसओ से हेड-एंड स्थानों, शर्त आधारित पहुंच प्रणाली, परिवहन स्ट्रीम/फ्रीक्वेंसी जानकारी, आरएफ फीड डिटेल्स, सीटीएवी संकेत वितरण इलाके के बारे में जानकारी देने को कहा था। एमएसओ को इस उद्देश्य के लिए बनाई गई वेबसाइट पर जानकारी साझा करने के लिए कहा गया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा, "मंत्रालय के संज्ञान में यह आया है कि कुछ एमएसओ ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है और पोर्टल पर जानकारी नहीं साझा की है।" केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम 1994 के नियम 10ए के तहत नियमों को लागू करते हुए मंत्रालय ने सभी एमएसओ को पोर्टल पर खुद को 25 नवंबर, 2022 तक पंजीकृत करने या उससे पहले आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा है। मंत्रालय ने कहा है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक जानकारी साझा करने में विफल रहने पर यह माना जाएगी कि एमएसओ ने उन्हें दिए गए पंजीकरण के नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।